



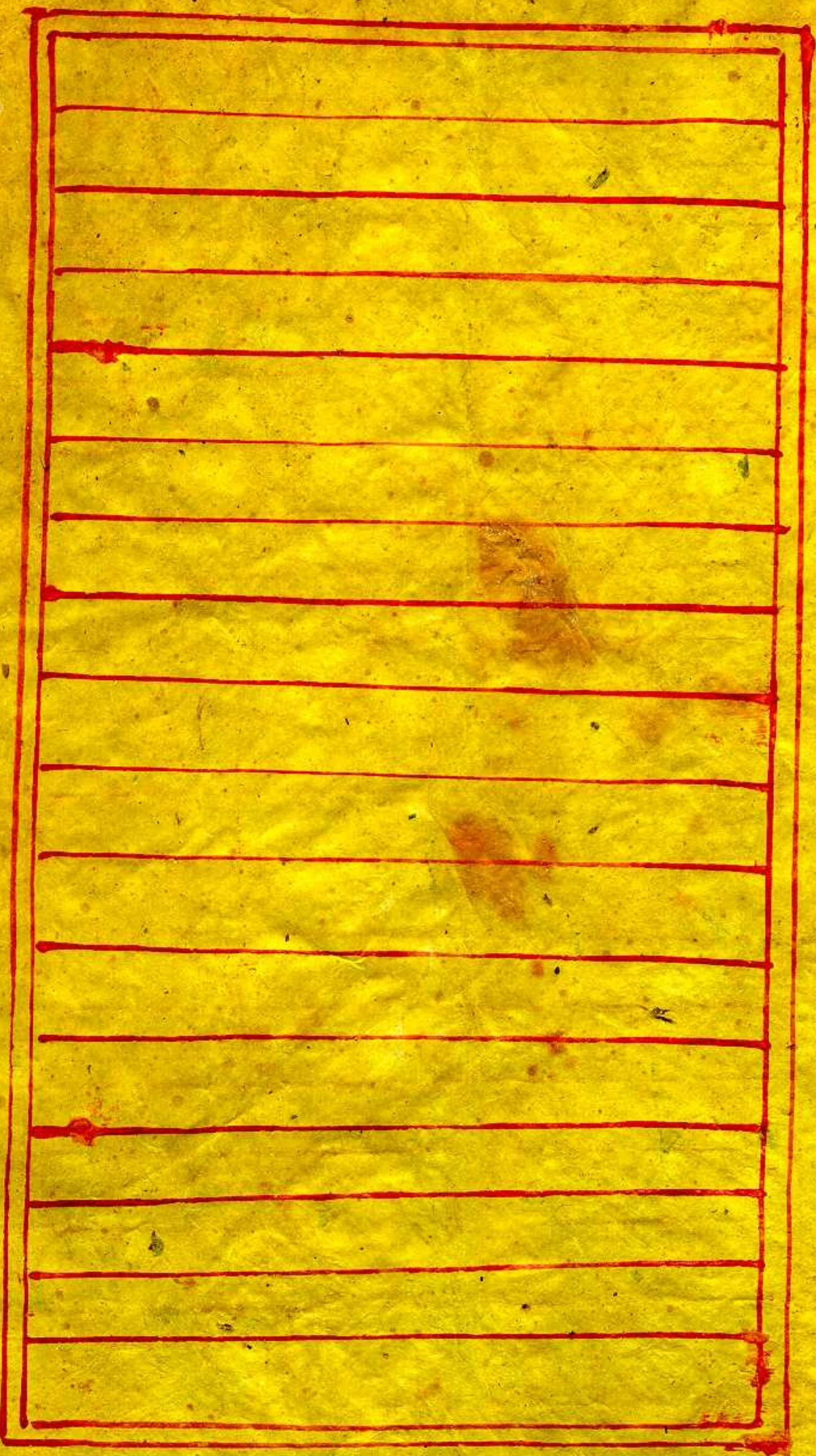
पौउपदाइ को नेदाइ पोराक कसे को ली
उकुरेरे

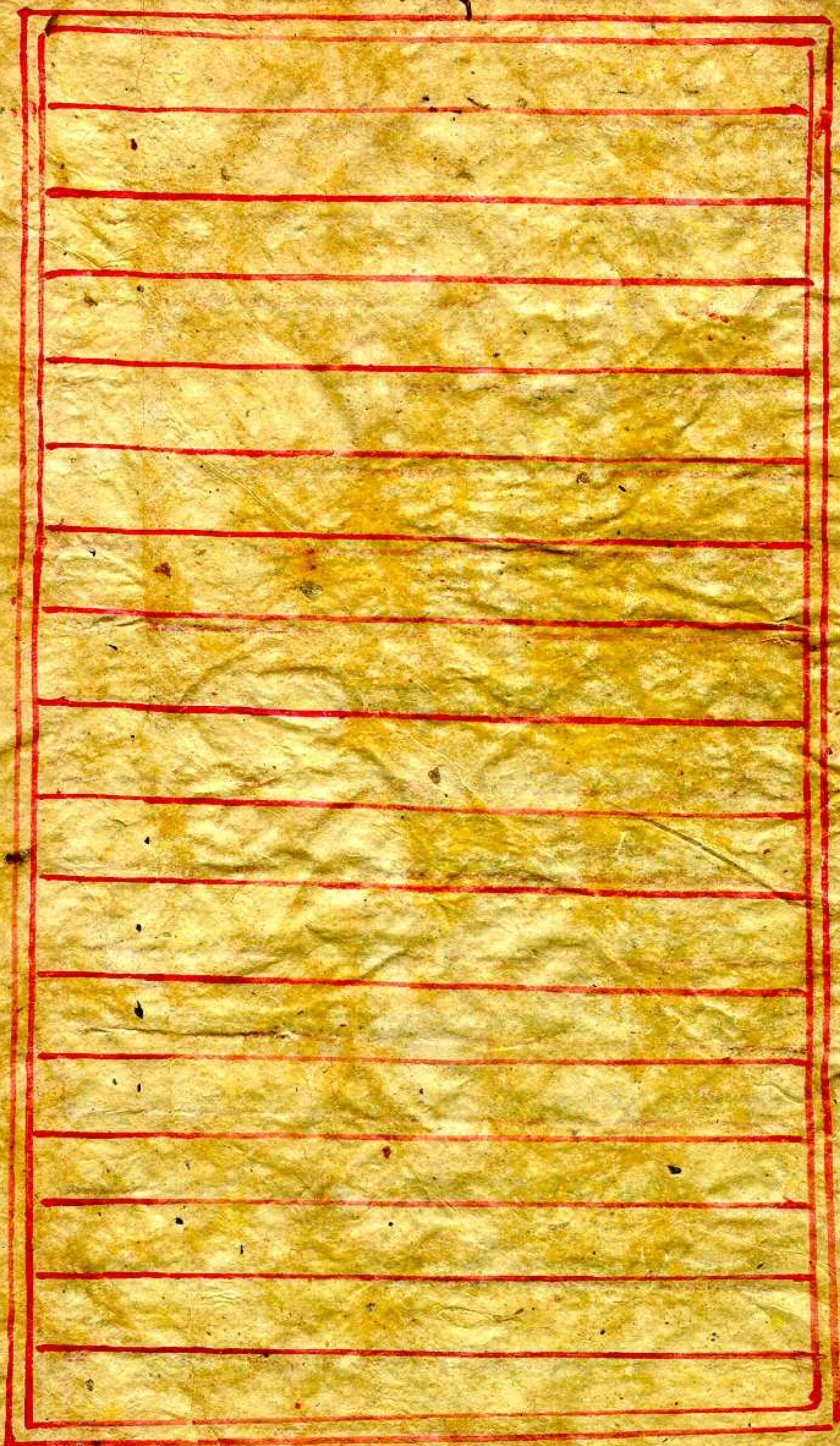
आशा नरिवाथि

2340

ASHA ARCHIVES









अथवा उलागे को उपाये कहूँ ॥ जय कन धावनागा
 पड़न रगत आव विष म्वग मुद्दा परत न वनी म्गा इगा
 इको डुइ पिउत वनी को हगे ॥ २॥ फल्यो का अ लुत्रा
 चा न र म्दुवा सको मुठी से र र र र ॥ ये चा व न
 म्ग र व ये र म्ग र र दार र के वान्को म्ग र
 ॥ मिमी मी सनु म्ग ग नित गनु थु क ले मुद्दा ला व
 नु र र न र ॥ मे दा का ली ग पे ली गि ले ले ल र म्ग ना
 व नु धा व पु र ॥ मे त क दू वा म्ग लु के को लो मी उद
 के को लो मुद मे दी के डु इ मिमी वा ली ग र लु न
 नु धा व क म्ग ल र ॥ म्ग ल म्ग ल म्ग ल म्ग ल म्ग ल
 मी धा व ना व नु धा उ पु र ॥ मी म्ग ली का पा न
 मिमी सा का र म्ग ग चा का ता म्ग वा व र र ॥ म्ग क
 के ग र धा व धा व धा व पु र ॥ म्ग धा ला ग्वा जा ह
 म्ग ने र वि र म्ग तः ता ता मा वा म्ग का आ वी वी ति
 पी या उ नु फ र ॥ म्ग के को म्ग ग र या को म्ग मी
 ॥ गी धु त मा मी धा व म्ग इ न ग र र त न म्ग वी ग्वा के

: नसा निग्रा को नी को हो ॥ ॥ बोरा को ता प धाती
 ला उनु सोला को बायानी को हो ॥ भुगुर को वो सो
 ला उनु सो लोपा को नि र क ॥ कीन कम कुर का ज रा
 सुकाई कुकुनी गुरु ते ल पो ली ला उनु : कुकुनी धर लु
 धाव पु री से ॥ ॥ धर हा को मुषा बा न ला नु धा न
 पु र ॥ निव्य न धे ज मा पे धा को ज रे धा नि धी पति
 ॥ ३५ ॥ नादी ज्ञानगर व्या न ल भते गुद से न व न ॥
 ज्ञापते मेद मेदा ना ल च्या सा ध कु ये धे क म
 ॥ ३६ ॥ इति नादी मेद स ज्ञा नगर ल भ गी रा ग र
 स व धी वी : ची स धी री ग ह रे धा डु चु ली गा वा
 र म ग र म म म म म म म म म म म म म म म म
 ला म ग र म म म म म म म म म म म म म म म म
 पी प प ला म ग र म म म म म म म म म म म म म म म म
 म ग र म
 ग र म
 ये म

लसैग अननगनु निनिजेरोज ॥२॥ पदीकुमु
 मरससैग अननगनु निनिजेरोजावदीस्त्री डुद
 सैग अननकेरो कोराहाके होई ॥३॥ पदीश्री
 गराजमरसैग खानु ओलाके ज्वरोजगा ॥४॥
 पदीअनी काटमैग खानु ओलाके ज्वरो
 ज ॥५॥ पदीजीरोखानु ओलाके ज्वरोजगा ॥६॥
 ॥ पदीमास्यैग रवानु पितज्वरोजगा ॥७॥ पदी
 नाकुसैगरवानु पितज्वरोजगा ॥८॥ पदीनीकु
 यवुनरैग खानु वात सुलना ॥९॥ पदीसेजनु
 धृतखानु सर्वसुलना ॥१०॥ पदीनीकु फसाला
 रखातु पाधके खानके खातने के होई ॥११॥
 पदीषीपलकी धाल वातुरक पितजा ॥१२॥
 पदीवाली पानी खानु का लो उभे लाजेजगा ॥
 १३॥ पदीजाईफलना न देनु का धाली जगेज
 ॥१४॥ पदी भागदसैग लावनु खजु
 जगा ॥१५॥ पदीअवलाहीग खानु होपेकाग

धन ॥ १६ ॥ वदीतीनुकाविजप्रयुति मयावानु
 वाहरी के कोषमने ॥ १७ ॥ वदीमाधा
 कापिनृत दातकः द्यो ह्यवाहनुदित के दुम
 जग ॥ १८ ॥ ॥ वदीगोतसंगवानुगगनति
 ई ॥ १९ ॥ वडी करि दकातेन संगवानुः पमाना
 हि ॥ २० ॥ वदीनीनुकारससंग जे द्यो खानतो
 सपल्लो निष्ट उतटे ॥ २१ ॥ वदीतुलसीपातवानु
 सगवानुजग ॥ २२ ॥ वदीगुदसंगवानुमननायु
 वा ॥ २३ ॥ वदीचंगराजवानुचौरासीवायूजग ॥ २४ ॥
 ॥ वदीअहुवासंग द्योतिनाउनुविधीकोनिउटे
 ॥ २५ ॥ वदीवरातारेकेरसंगवानुः सर्वअगी
 राजग ॥ २६ ॥ वदीकसौदीवानुपंदागनिनग ॥ २७ ॥
 वदीनीनावानु उधरवासजग ॥ २८ ॥ वदीवाही
 ररवानुज्ञानहे ॥ २९ ॥ वदीदहीवानुआर
 गपहे ॥ ३० ॥ वदीनागाखुनी संगवानु-

बालपत्नीन जाई ॥ ३१ ॥ वदीता पुनर्गयानु
 राजकर पहेई ॥ ३२ ॥ वदीक मोडो मंगवा
 नु मारि पृष्ठुहेई ॥ ३३ ॥ वदीवी फुना बुरावा
 नु मोरये वाजा ॥ ३४ ॥ वतुर दसी की राजा वी
 हतै धर धार को मगारो पुन प्रेय ॥ ३५ ॥ वदी
 पाही लाई यि दान को दाना कुतनु ते मग
 ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥
 ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥
 ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥
 ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

बाहुसत्रीपानजा ॥ ४० ॥ वदीलीवनरनखानुस
 वीपानजा ॥ ४१ ॥ वदीइइवानुइइइइइइ
 कोआआलालनुवीलापकोकुकुएकेखापो
 कोनीकोहोइ ॥ ४२ ॥ वदीतीनुकावेनआआमा
 थोलेपगनुः आआकोपलनजा ॥ ४३ ॥ वदीपान
 कानेदालगवानुअनीराज ॥ ४४ ॥ वदी
 गीतलीगवानुः पीचगुननजा ॥ ४५ ॥ वदी
 जडिफलवानुहलानस ॥ ४६ ॥ वदीसेतोमाया
 यानुः स्त्रीहुदहोइ ॥ ४७ ॥ कतुटिलखानुवी
 वनलागे ॥ ४८ ॥ वदीपतीनीगवानुभुटवेया
 न ॥ ४९ ॥ वदीजीरीवानुकालेउमोखालजा
 ॥ ५० ॥ वदीमेलीकोददीवानुअतीलाजा ॥
 ५० ॥ वदीपेकनीत्यवानुवीवनलागे ॥ मोटपत्र
 होइ ॥ ५१ ॥ वदीसुरुकरीवस्तमस्तगनुगदाहा
 केमुत्रनालेदेनुमिगीजा ॥ ५२ ॥ वदीकीजीलीग
 वानुहलवाननाम ५३ ॥ वदीचमाकाफुनलई

धातु जो ड सुगं दहोइ ॥५४॥ वदी अनाहुग्य
 लंग धातुः वात रोग जा ॥५५॥ वदी मोठे ही वी
 रोग धातुः कामो उ भोग जा ॥५६॥ वदी पिली
 ललातुलातुः मपी रोग जा ॥५७॥ वदी अवीली
 गाई की मुख धातुः विषत लागे ॥५८॥ वदी प
 ल दल मीग धातु मुख को रोग जा ॥५९॥ वदी
 वायु निर्दग मीग धातु के नर निष जा ॥६०॥
 वदी गोलो चर्म मीगः तिलक गनु राजा मो होई
 ॥६१॥ वदी गोलो चर्म मीग प्रभु तिमया धातु पीतु पाका
 री होई ॥६२॥ वदी जाई फल सुटा गरी मल
 हा ललातु रुला जा ॥६३॥ वदी पती जीवा की गु
 दी धातुः वाफा री को बल थोई ॥६४॥ वदी वईर धातु
 मुख की फल जा ॥६५॥ वदी धु धातु तिरी पीरी जा
 ॥६६॥ वदी आदी लो वाट ललन क्षेत्र हात धातु
 भुत प्रेत न लागे ॥६७॥ वदी मोठा लंग धातु अल
 नी होई ॥६८॥ वदी नी गुनी लंग धातु मप प्रमेहे जा

॥ ६६ ॥ वदी उगाडा गदीगवानुगदीप्रेहजा
 ॥ ७० ॥ वदीहजा ॥ ७० ॥ वदी कुख्यारागदीग
 वानुज्वनप्रेहजा ॥ ७१ ॥ वदी धृतसीगवानुवे
 द्वेप्रेहजा ॥ ७२ ॥ वदी वहरिगवानुबहुप्रे
 प्रहजा ॥ ७३ ॥ वदी उदसीगवानुएतप्रेहजा ॥
 ७४ ॥ वदी महुसीगवानुमधुप्रेहजा ॥ ७५ ॥ व
 दी धुपागदीगवानुएतप्रेहजा ॥ ७६ ॥ वदी वी
 कुताधुगदीगवानुवालप्रेहजा ॥ ७७ ॥ वदी
 वीफलासीगवानुएतप्रेहजा ॥ ७८ ॥ वदी वासु
 कुधसीगवानुकुवीताप्रेहजा ॥ ७९ ॥ वदी म
 गराजसीगवानुम्याहप्रेहजा ॥ ८० ॥ वदी नीगु
 रीसीगवानुधृतप्रेहजा ॥ ८१ ॥ वदी पद्मधो
 गमातगुरासीगवानुसर्वप्रेहजा ॥ ८२ ॥ वदी
 आवतामधुसीगवानुतेताप्रेहजा ॥ ८३ ॥ व
 दी गाईकमहोसीगवानुसर्वप्रेहजा ॥ ८४ ॥
 प्रमएप्रेहजा ॥ ८५ ॥

वदी भागो व्याकुलसंग वानु सर्वप्रमेवजा ॥ ८६ ॥ वदी
 मुहागाजावि पवि करपुर संग वानु सर्वप्रमेवजा ॥ ८७ ॥
 वदीम धुसंग वानु जजप्रमेवजा ॥ ८८ ॥ वदीमाससंग वा
 नुरसप्रमेवजा ॥ ८९ ॥ वदी नागानुनि निगुदिसं
 वानुनिलप्रमेवजा ॥ ९० ॥ वदीमाहरदी मही संग वानु
 कालाप्रमेवजा ॥ ९१ ॥ वदीतीनोसंग वानुरक्तप्रमेव
 जा ॥ ९२ ॥ वदीवज्र मणिमान् कारुणिया संग वानु सर्व
 प्रमेवजा ॥ ९३ ॥ इति बोधावुनी अनुपान् समापत ॥ ॥
 मुखारसपुत्र १ भृंगराज १ रसपुत्र १ तुलसि रसपुत्र १ सी
 वाली रसपुत्र १ दुधीरसपुत्र १ धी उकुमारि १ रसपुत्र
 १ इति पुत्र वक्रचक्र मेलावनुः स्थि दी ओल धार ॥ ॥
 मुमिल्ली भाग १ हरदा भाग १ वहेदा भाग १ मुहाग भा
 ग १ जाइफल भाग १ लवाङ्ग भाग १ क अलेची
 भाग १ अकरकला भाग १ वज्र भाग १ कालो निरी
 भाग १ मजवानी भाग १ सीतो चीरे भाग १ अ भुक

तोलायम ध्वानु एकत्र गिरि पितनु अवला प्रमानवा
चन्द्रसूर्यकी जसो ज्योति हो बोदा कि जस्तो वेग होइ
सो जयो वल्ल हो जि री का या पुस्त हो दी ये जोति दृष्ट हो
॥ विर्य स्थे भन हो कफ रिक्त ले भनि वारे सर्व व्याढी हो
सर्व राग्य मुक करे ॥ इति व्यमक ले लावनु समापत
॥ ॥ अमिलामही पुट ७ बोवै वरे ७ गो सुवतता
इ बोवै पुन गो सुव धाली नो हा कोत हा ही धाली पका
वन पहर १ दीन १५ गाई का पसा मध्ये वादन तव बु
रा गराल वर वर गली व ~~सर्व राग्य मुक करे~~ स
माका विद्या सेर १॥ माता का भादा धाली पट मागाउ
नु साता ३॥ वाका कापर सातान गाउनु आईत वारे को
आईत वार लगी अनन भी व गावनु विजयि सिजाहा
लावनु ताहा १ कार वरु दृष्ट ॥ ही राना ल पला ल का पा
तको सस्म स एकत्र गीर पानि स गलाउनु जोनि भी व
ने पन गर्नु का वहर उन भाव ॥ धुन हरिता ल ताता पानो
मीत लाव यो नि कोट व जो मि का र वरु दृष्ट ॥ अठमु

साको उपार्किहु ॥ तिलचुक विराला विष्ठी हटि
 ताल वान्नीको मुत्रयतिमिसी निउदा मुसा चुप्रनुमु
 सोद्यादी-दीनु तवमुसानलाग ॥ धर छोदी सर्वे मुसा
 मागुनु ॥

अठार परा नका नाम ॥ मत्स्य परा नः १: माक
 २ लो परा नः ३ भागवत ३ मवी से ४ उ ह्मा न
 ५: ५ उ ह्म वे वतः ६ उ ह्म परा नः ७: वाम नः ८:
 वारा ८ परा नः ९: वीर परा नः १० वायु: ११: अ
 ग्नी: १२: वा १३ परा नः १३: पुरुष: १४: वा
 १५ परा नः १५: वा १६: १६: कुम्भ परा नः १७: लक
 १८ परा नः १८: पेंगे कालुगीरो वगाथाका —

लवत कुमा परा नः १: नाली २ परा नः ३: गा
 रदीय: ३: लीव परा नः ४: दो वीलन परा नः ५:
 कर्मा परा नः ६: गमेर परा नः ७: ओलन परा
 नः ८: वायु परा नः ९: काली का परा नः १०
 लम्बा परा नः ११: वीर परा नः १२: लुग:
 १३: —

परावरः १४ : आर्द्रः १५ : मघा १६ :

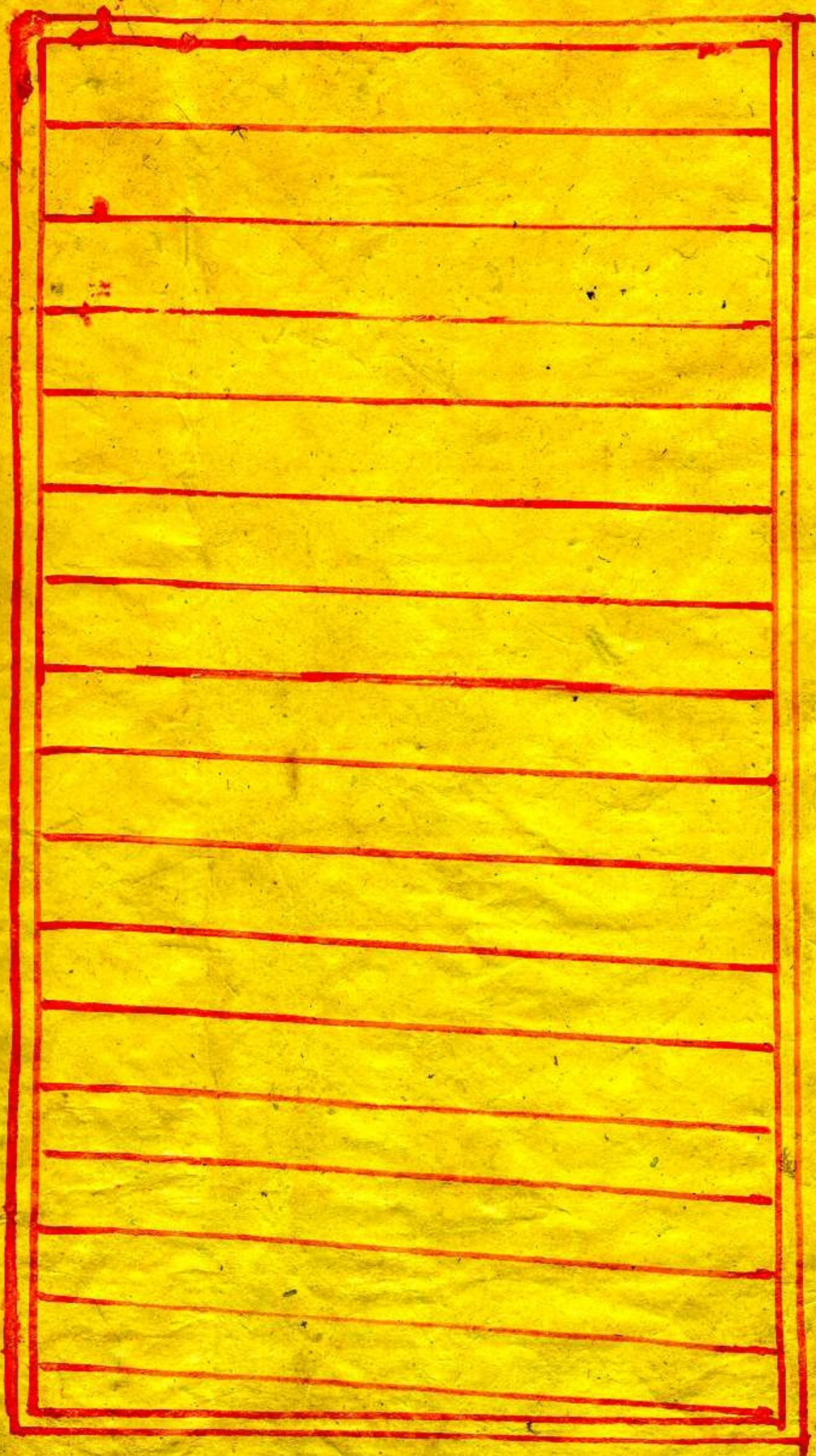
देवी भागवतः १७ : वसिष्ठः १८

इत्यदीष्टा र वगा य

उमना पंच वा नयनयक चोदित करिष्य

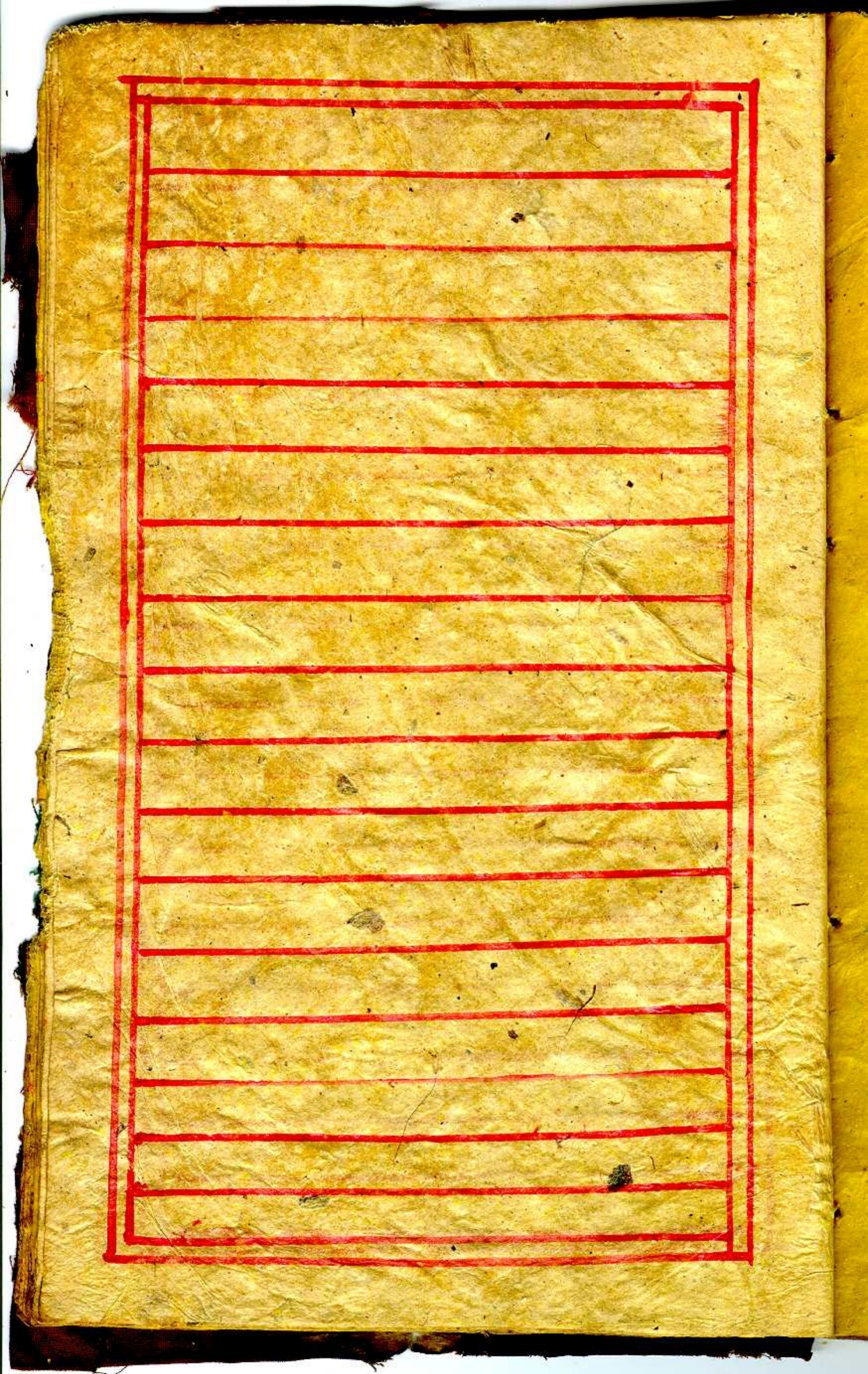
२ : मैत्रनीहरी भगवत् की कपट वीकट

की मय





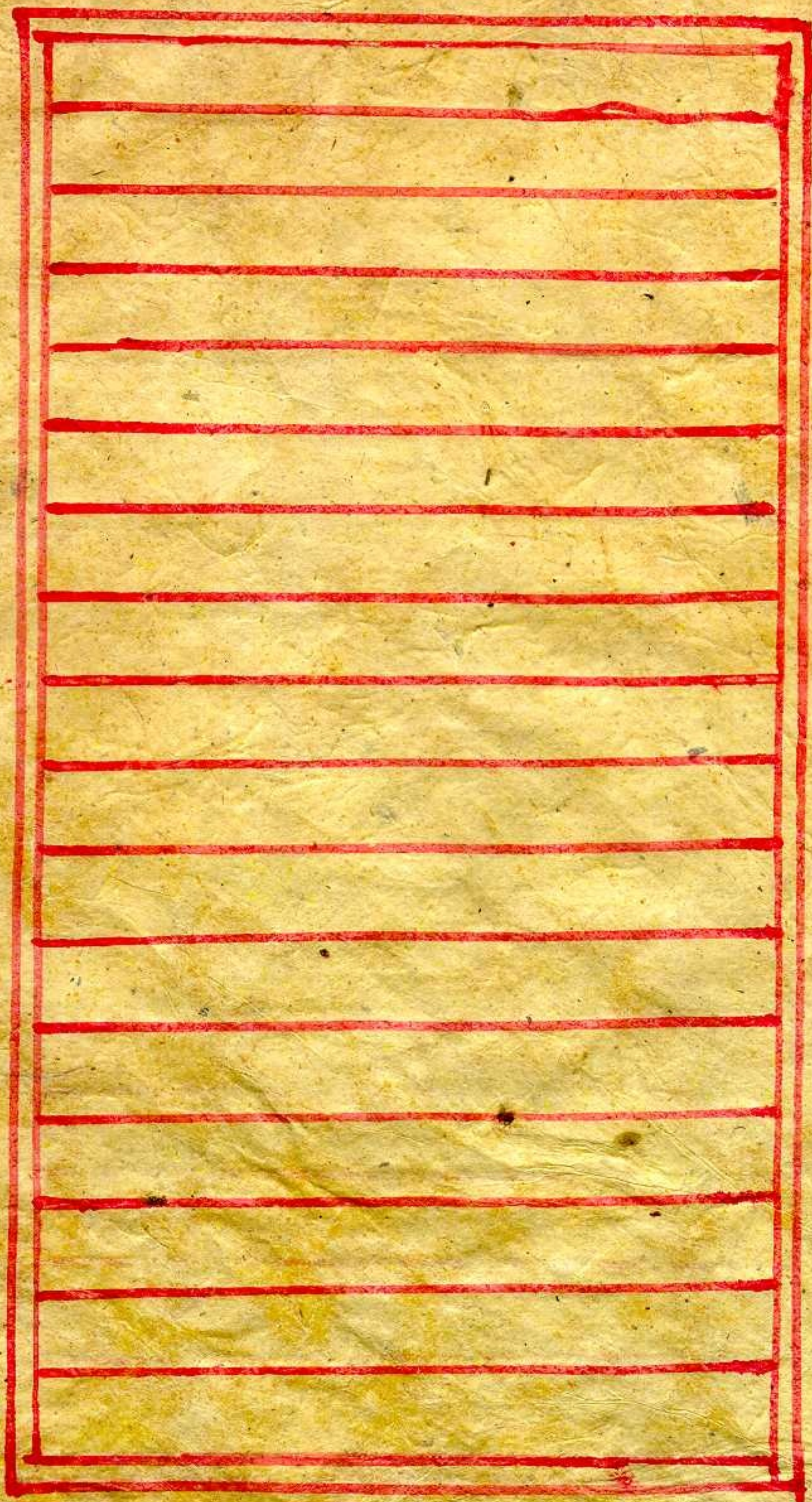


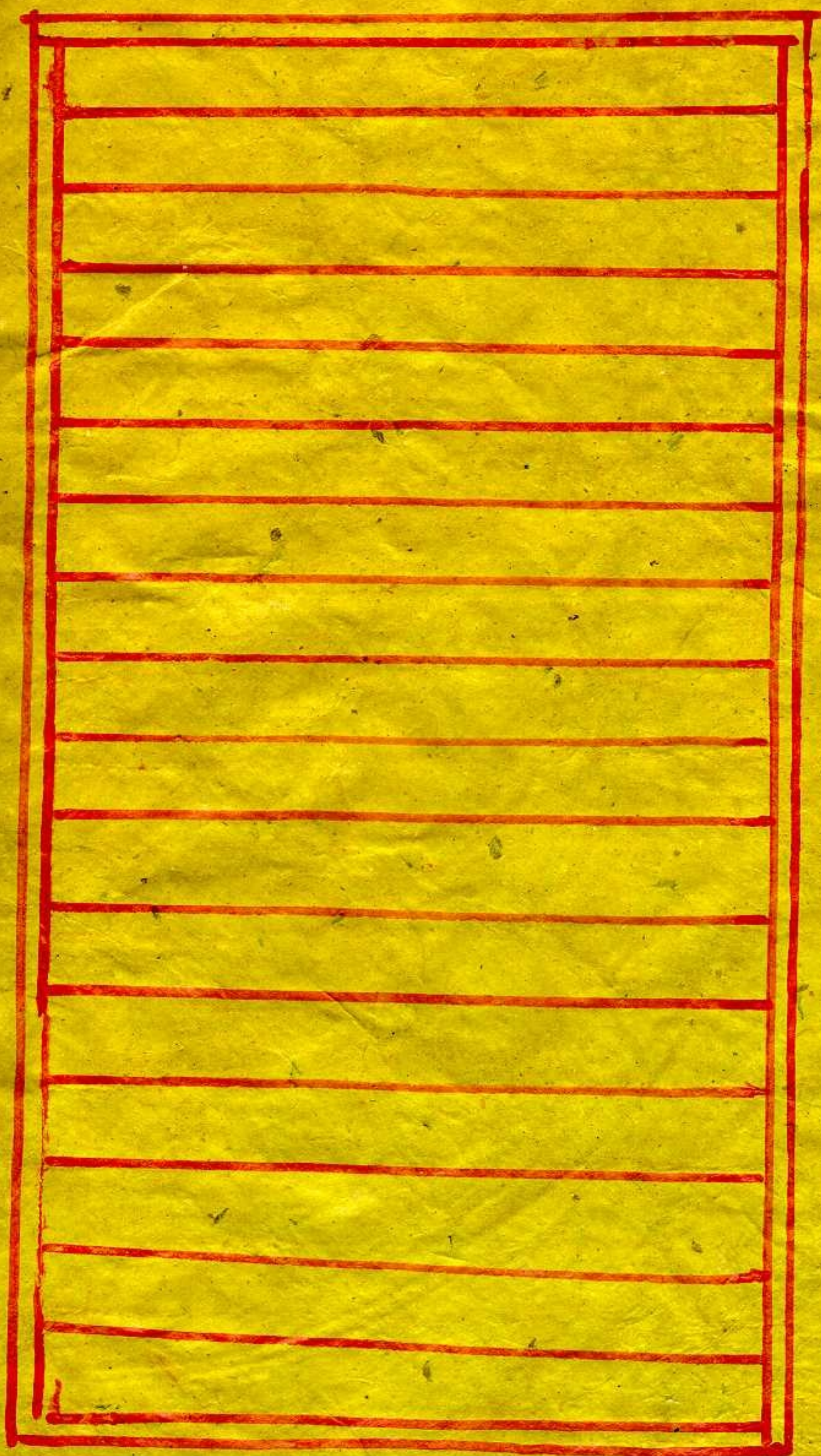






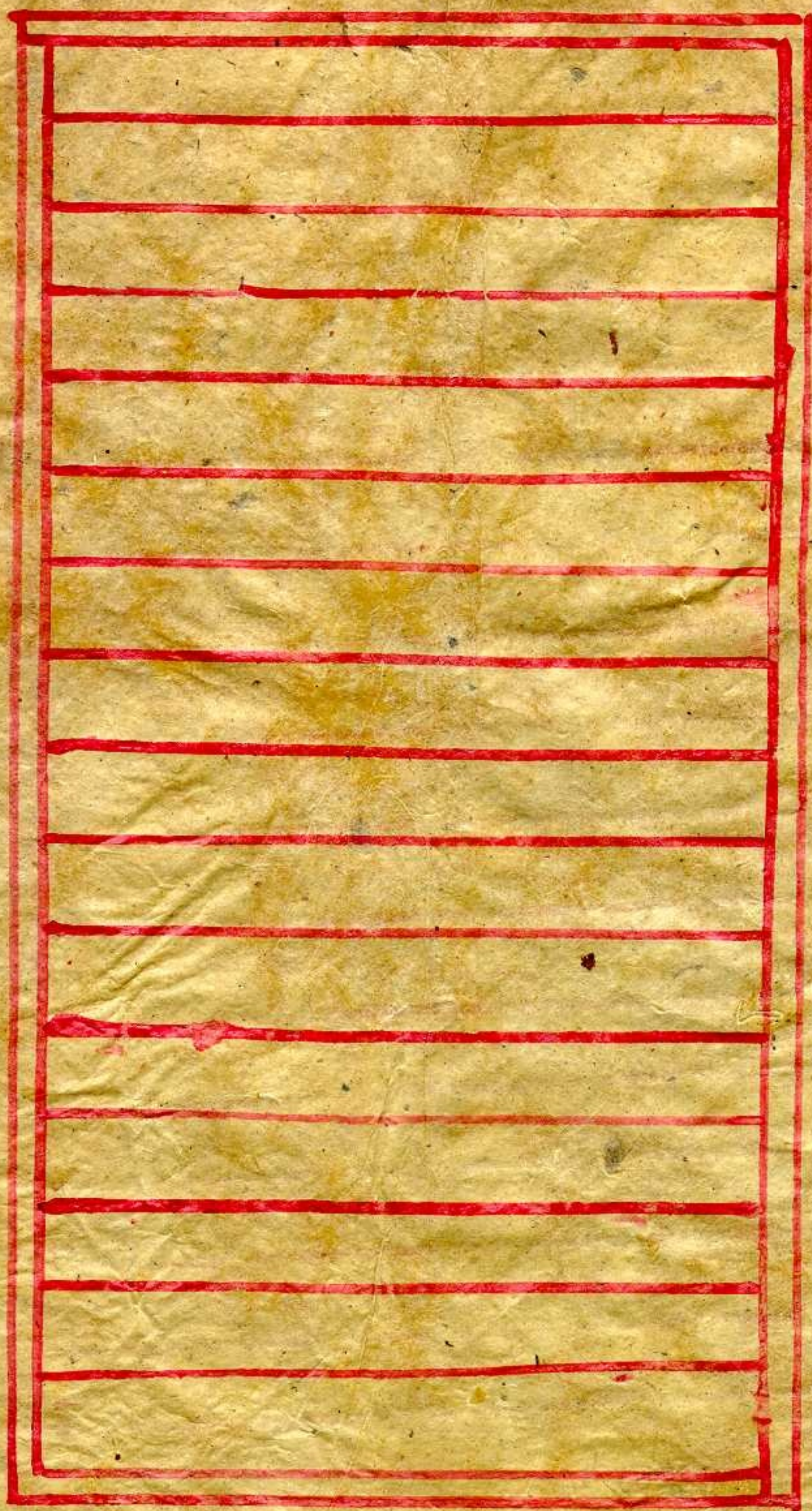








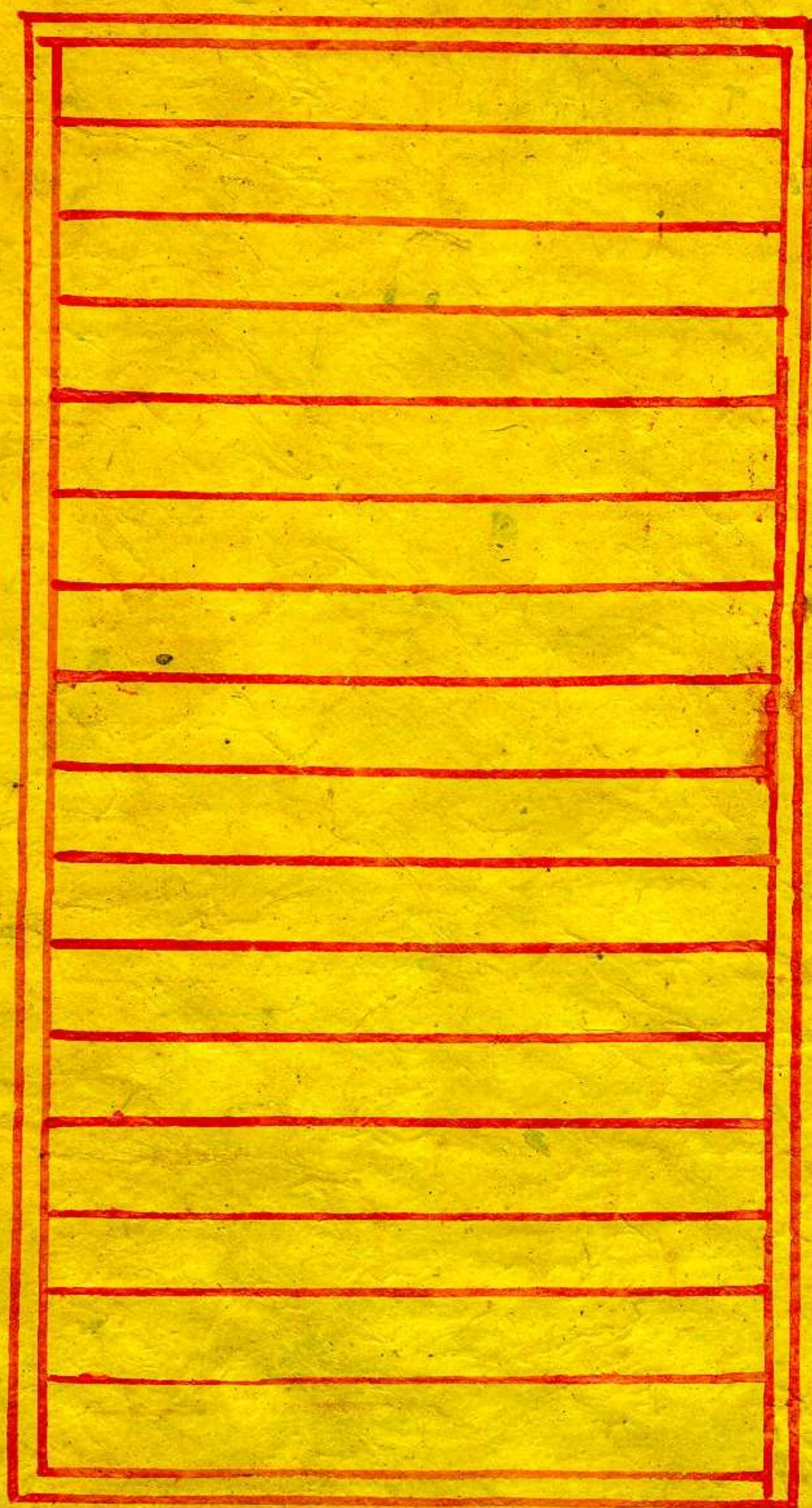








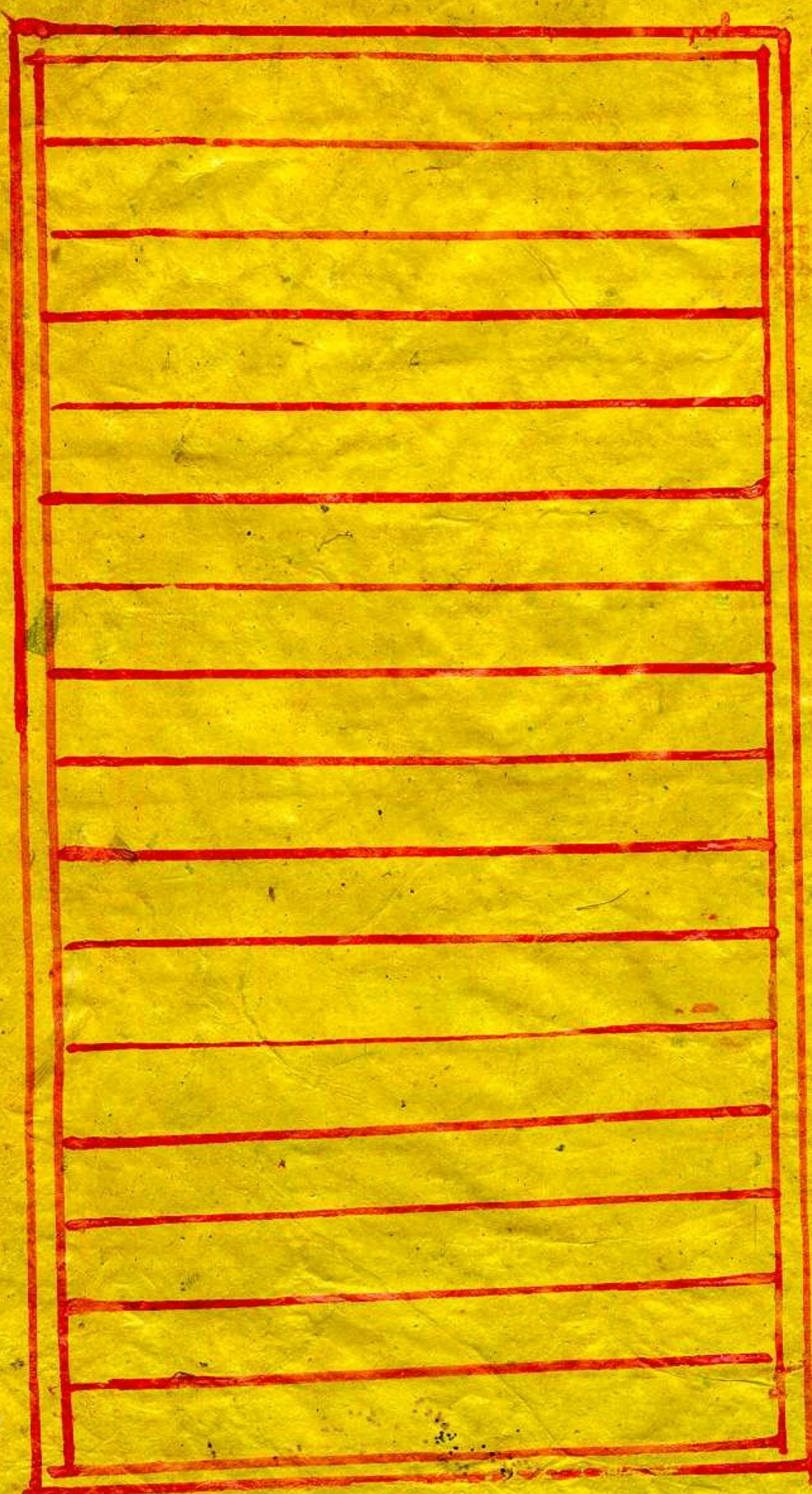


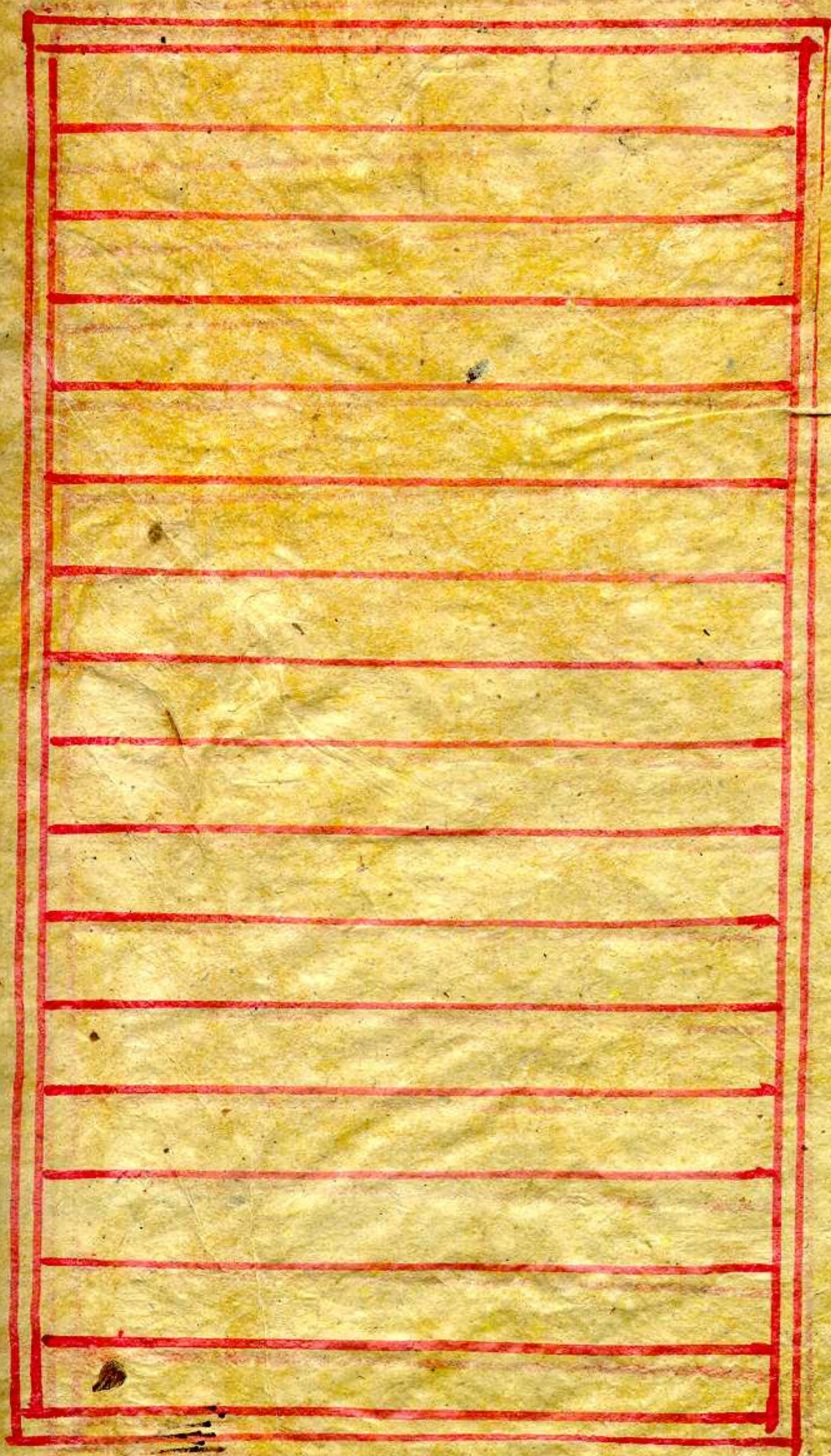










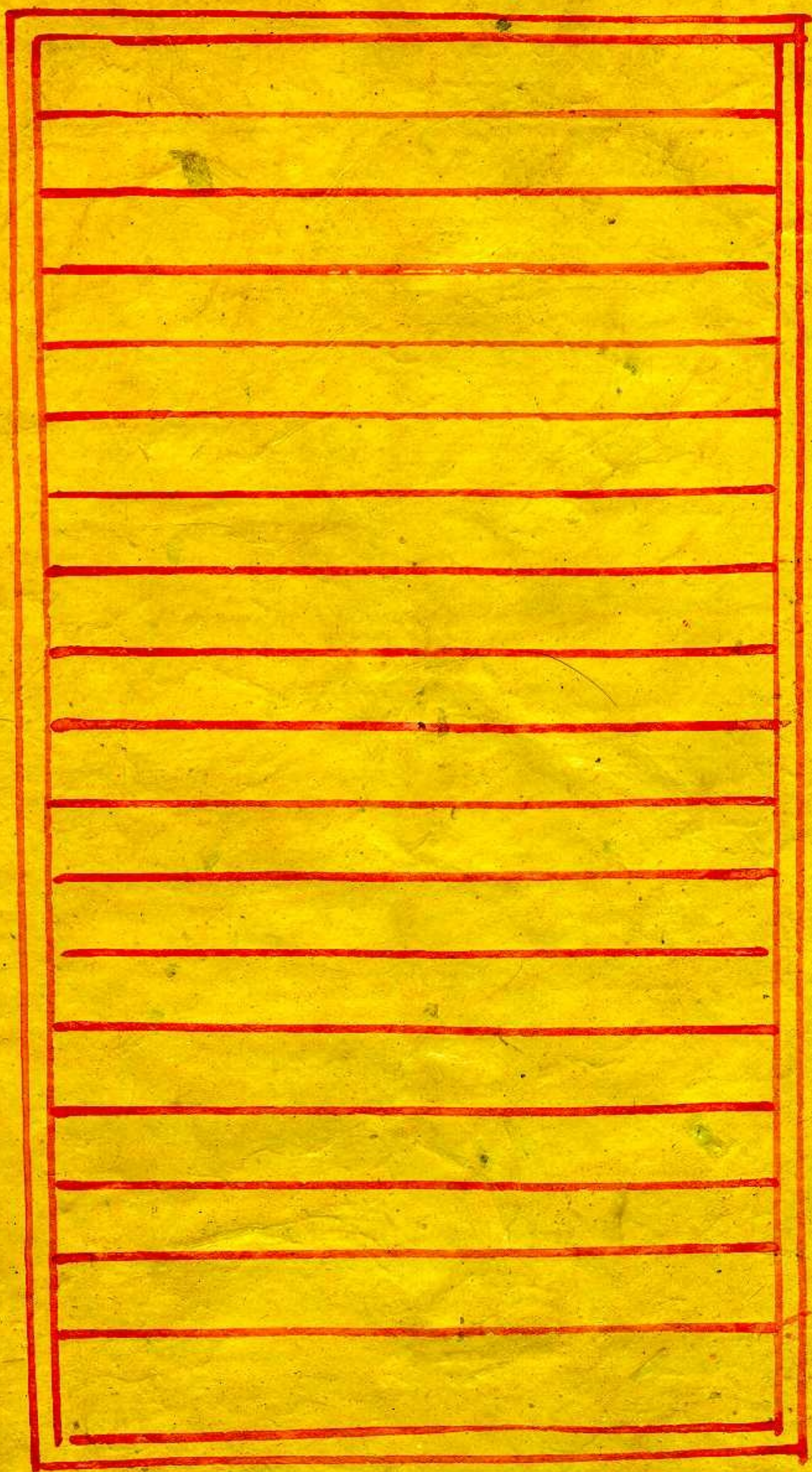






















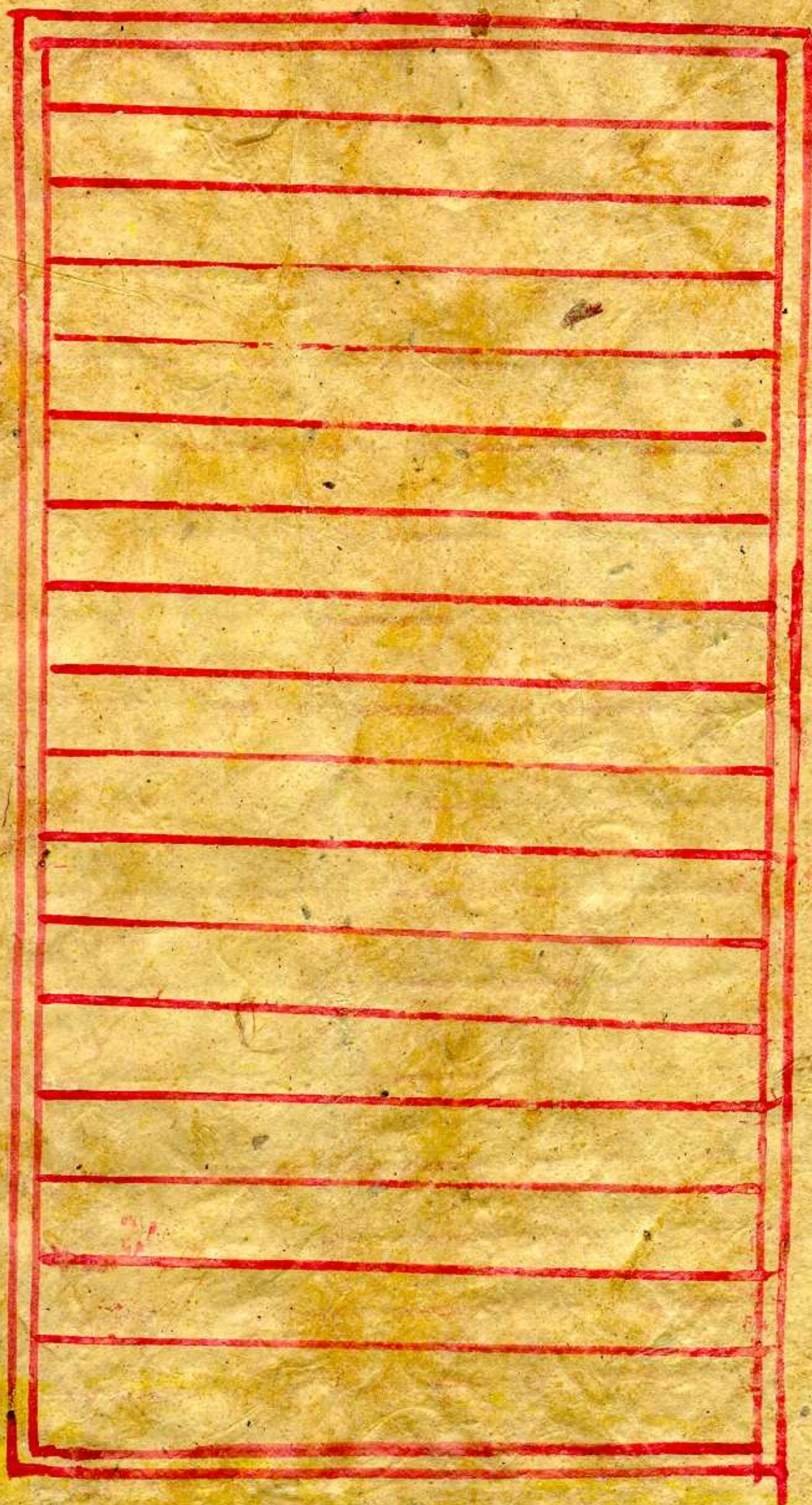
Willie

[illegible]

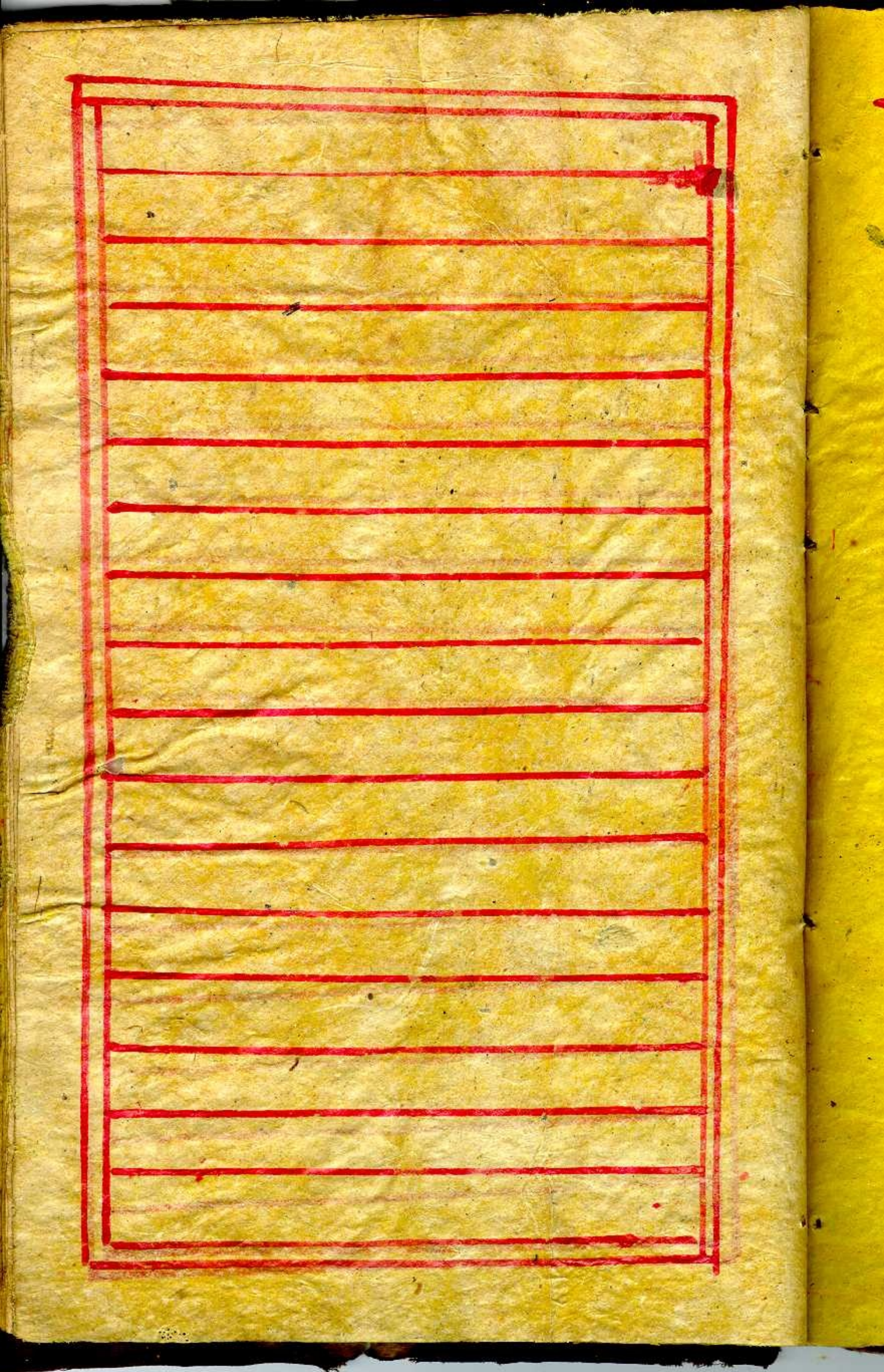


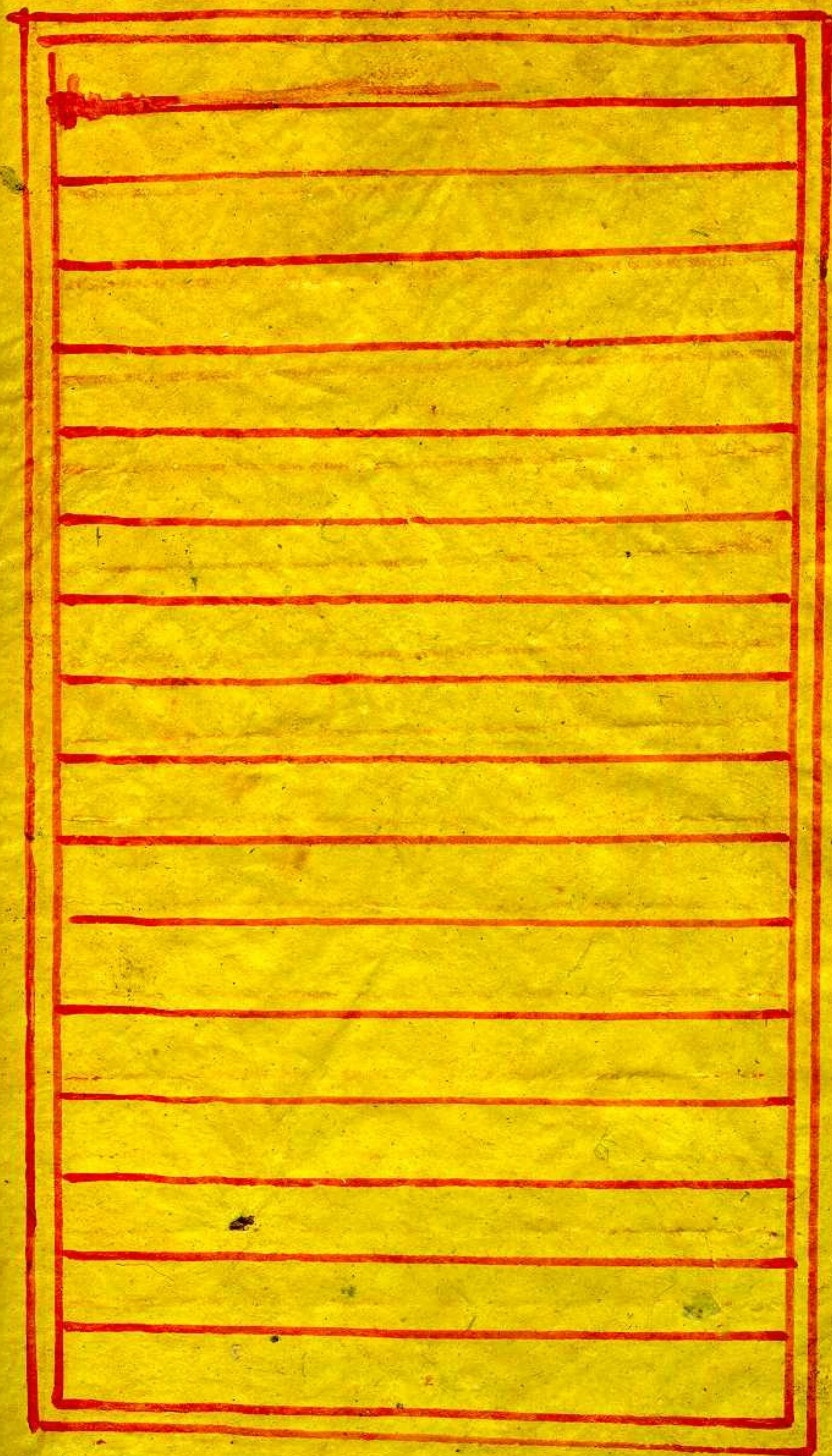






























आशा बरुवा
2340
ASHA ARCHIVES

25/4/15 40 65

